NAAC ACCREDITED A++ GRADE 3.55/4

BAOU Education for All

Dr. Babasaheb Ambedkar Open University
(Established by Government of Gujarat)

Accorded with CATEGORY UNIVERSITY 1 GRADED AUTONOMY by UGC

शिक्षा मंत्रालय MINISTRY OF EDUCATION
सत्यमेव जयते

भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

के सहयोग से

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद

द्वारा आयोजित

दो दिवसीय राष्ट्रीय समागम
भारतीय भाषा परिवार

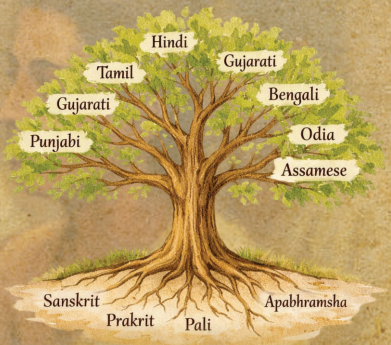

6 & 7 February 2026

कार्यक्रम स्थल :

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी,
'ज्योतिर्मय' परिसर, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी मार्ग, सरखेज-गांधीनगर हाईवे,
छारोड़ी, अहमदाबाद - 382481, गुजरात, भारत.

Visit our Website : www.baou.edu.in

प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र के जाने-माने विशेषज्ञ और
शिक्षाविद के साथ आप भी इस समागम में सम्मिलित हों!

संकल्पना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के महत्वपूर्ण प्रावधानों में से एक है – भारतीय भाषाओं का संवर्धन और प्रचार प्रसार. इसी मूल भावना से प्रेरित होकर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'भारतीय भाषा समिति' का गठन किया गया. इस समिति ने भारतीय भाषाओं का अध्ययन नये सिरे से करना शुरू किया, जिसमें उनके भौगोलिक और सांस्कृतिक परिवेश को समझने के प्रति आग्रह और उनमें अनुस्यूत पारस्परिक एकता के अन्वेषण की दृष्टि थी. भारतीय भाषाओं के अध्ययन को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप रखते हुए भी पश्चिमी चश्मे के दुराग्रहों से मुक्त कर भारतीय परिप्रेक्ष्य प्रदान करना, इस समिति का लक्ष्य भी था और चुनौती भी. समिति के विस्तृत और गहन अध्ययन का परिणाम राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा वर्ष 2025 में प्रकाशित दो पुस्तकों – 1. 'भारतीय भाषा परिवार : अ न्यू फ्रेमवर्क इन लिंग्विस्टिक्स' और 2. 'भारतीय भाषा परिवार : पर्सपेक्टिव्स एंड होराइजन्स' के रूप में प्रकट हुआ है. इसी अध्ययन की निरंतरता को जारी रखते हुए 'भारतीय भाषा समिति', शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद "भारतीय भाषा परिवार" शीर्षक से राष्ट्रीय समागम का आयोजन कर रही है. इस दो दिवसीय समागम का उद्देश्य भाषाविदों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और नीति विशेषज्ञों को एक साथ एक मंच पर प्रकृत विषय पर सघन चर्चा विमर्श करके अध्ययन को आगे बढ़ाना और भारतीय भाषा परिवार की मूलभूत एकता को स्थापित करते हुए उनके परस्पर सहयोग को बढ़ावा देना है. आशा है कि समागम के प्रतिभागी विषय केंद्रित सत्रों, समूह चर्चाओं और संवादात्मक समीक्षाओं के माध्यम से भारतीय भाषा परिवार के प्रस्तावित फ्रेमवर्क और औपनिवेशिक भाषाई सोच के उन्मूलन, मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा देने और भारत की बहुभाषिक एकता को सशक्त करने के लिए उसकी प्रासंगिकता का सम्यक निरपेक्ष मूल्यांकन करेंगे. यह अपेक्षा की जा सकती है कि यह समागम भारतीय भाषाओं के अध्ययन में एक बड़ा परिवर्तन लाएगा, जो पुराने भाषाई वर्गीकरण से आगे बढ़कर भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विरासत की आपसी एकता को उजागर करेगा. यह समागम भाषावैज्ञानिक पुस्तकों के मूल विचारों, प्रस्तुति प्रक्रियाओं को पुनरीक्षित कर उनके निहितार्थ को भाषाविज्ञान, शिक्षा, अनुवाद और डिजिटल नवाचार के लिए समझ विकसित करने का एक सशक्त सार्थक अकादमिक मंच साबित होगा.

BAOU का परिचय

भारतीय संविधान निर्माता भारतरत्न बाबासाहेब अंबेडकर जी की पुण्य स्मृति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और डिस्टेंस एजुकेशन काउन्सिल की मान्यता के साथ गुजरात सरकार ने सन् 1994 ई. में एक्ट सं. 14 के तहत अहमदाबाद में गुजरात के एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी की स्थापना की. स्थापना के क्रम में यह देश का सातवाँ मुक्त विश्वविद्यालय है. गुजरात राज्य की शैक्षिक गतिविधियों को तीव्रता प्रदान करते हुए यूनिवर्सिटी आज मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ODL) माध्यम से सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर के 79, यू.जी.सी. मानदंडों के तहत पीएच.डी. स्तर के 16, ऑनलाइन माध्यम से 10 और स्वयं (SWAYAM) माध्यम से 07 पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश आमंत्रित कर रही है, जिनमें वर्तमान में 8,00,000 से ज़्यादा शिक्षार्थी पंजीकृत हैं. अपने ध्येय वाक्य 'एजुकेशन फॉर आल' को सामने रखते हुए, यूनिवर्सिटी लोगों को लिंग, वर्ग, जाति, पंथ या धर्म की परवाह किये बिना सीखने के मौके देती है. यूनिवर्सिटी का मुख्यालय अहमदाबाद में स्थित है. उच्च शिक्षा तक सहज और व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए, गुजरात में यूनिवर्सिटी के 8 प्रादेशिक केंद्र और 270 से अधिक अभ्यास केंद्र कार्यरत हैं, जो दूरस्थ क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में सहायता करते हैं. यूनिवर्सिटी की दृष्टि है एक ऐसा शिक्षार्थी केंद्रित माहौल बनाना जो जीवनपर्यंत सीखने और कौशलवर्धन को बढ़ावा दे. इसका ध्येय है समाज में असरदार तरीके से योगदान देने के लिए ज़रूरी ज्ञान, कौशल, मूल्य और रोजगारपरकता का सही मेल देकर अंतिम शिक्षार्थी तक को शिक्षित और सशक्त करना. यूनिवर्सिटी नवाचार, लचीलेपन और दूरस्थ शिक्षा में आधुनिकतम तकनीक के असरदार इस्तेमाल से उत्कृष्टता पाने का प्रयत्न करती है. माननीय कुलगुरु प्रो. (डॉ.) अमी उपाध्याय के दूरदृष्टियुक्त नेतृत्व में यूनिवर्सिटी में एक सहयोगात्मक नवीकृत अकादमिक पारिस्थितिक तंत्र विकसित हुआ है. यूनिवर्सिटी ने NAAC A++ प्रत्यायन, यू.जी.सी. श्रेणी-I और 12(B) स्थिति, NIRF 2024 में तीसरा दर्जा और संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए FICCI पुरस्कार अर्जित किया है. यूनिवर्सिटी रूस, मोज़ाम्बिक और मंगोलिया के शैक्षिक संस्थानों के साथ मिलकर काम करते हुए अकादमिक आदानप्रदान और सहयोग को बढ़ावा देकर वैश्विक शिक्षाक्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज करा रही है.

'भारतीय भाषा समिति' का परिचय

भारतीय भाषा समिति (BBS), जिसे भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने नवंबर 2021 में बनाया था, एक उच्च स्तरीय समिति है जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 में प्रस्तावित भारतीय भाषाओं के समग्र और बहुविषयक विकास के मार्गदर्शन के लिए बनाया गया है. समिति का काम भाषा अध्यापन को पुनर्शक्तिकृत करने, शोध को गुणवत्तायुक्त करने और सभी शैक्षणिक संस्थानों और विषयों में भारतीय भाषाओं को जोड़ने के संबंध में मंत्रालय को सलाह देना है. समिति का मुख्य ध्येय त्रिभाषीय नीति को सफलतापूर्वक लागू करना है, जिसके लिए वह कई भाषाओं वाली शैक्षणिक सामग्री बनाने, अध्यापकों को भाषा-समावेशी कक्षाओं के लिए तैयार करने और भारतीय भाषाओं में पढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकी साधनों का इस्तेमाल करने की उनकी क्षमता को बढ़ाने के प्रति समर्पित है. भारतीय भाषा समिति भारतीय भाषाओं को बेहतर बनाने और सभी प्रमुख विषयों में पाठ्य पुस्तकों और अकादमिक स्रोतों के विकास को आसान बनाने के लिए विषयाधारित पारिभाषिक शब्दावली बनाने में भी अहम भूमिका निभाती है. यह भाषाओं की स्थिति में अंतर को कम करने, ज्ञान के स्रोतों तक सभी की पहुँच को बढ़ावा देने और भारतीय भाषाओं के क्षेत्र में शोध, नवाचार और युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए भी काम करती है. इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, समिति पूरे भारत में संस्थानों के साथ मिलकर कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करेगी, जिसमें अभिविन्यास कार्यक्रम, सम्मेलन, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ और प्रशिक्षण सत्र शामिल हैं.

अपेक्षित प्रतिफल

i. 'भारतीय भाषा परिवार : अ न्यू फ्रेमवर्क इन लिंग्विस्टिक्स' और 'भारतीय भाषा परिवार : पर्सपेक्टिव्स एंड होराइजन्स' पुस्तकों का प्रचार प्रसार.

ii. दोनों पुस्तकों की समीक्षाओं का सार और विश्लेषणात्मक रिपोर्ट तैयार करना, जिसमें मुख्य नतीजों, शोध पर असर का आकलन और भविष्य में अध्ययन के लिए सुझाई गयीं दिशाओं की प्रमुखता होनी चाहिए.

iii. समागम में हुए विमर्श और विशेषज्ञों के अवलोकन का एकत्रित दस्तावेज तैयार करना, जो भाषावैज्ञानिक शोध और शैक्षिक नीतियों के लिए संदर्भ के रूप में उपयोगी हो.

iv. भारतीय भाषाओं पर काम, अनुवाद और भाषावैज्ञानिक शोध करने वाले विद्वानों और संस्थाओं के बीच अन्तःविषयक संपर्कसूत्र विकसित करना.

v. भारत की भाषाई एकता और विविधता पर बातचीत को बढ़ावा देने के लिए, अकादमिक संस्थाओं, मीडिया जनसंपर्क और डिजिटल मंच के माध्यम से उपर्युक्त पुस्तकों के विचारों को बड़े पैमाने पर फैलाना.

विषय-वस्तु

1. 'भारतीय भाषा परिवार : अ न्यू फ्रेमवर्क इन लिंग्विस्टिक्स' और 'भारतीय भाषा परिवार : पर्सपेक्टिव्स एंड होराइजन्स' पुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन
2. भारतीय भाषा परिवार की संकल्पना
3. भारतीय भाषाओं का उद्भव और विकास
4. भारतीय भाषाओं के अध्ययन का उद्भव और विकास
5. भारतीय भाषा और साहित्य पर संस्कृत का प्रभाव
6. प्रादेशिक भारतीय भाषाओं का पारस्परिक अनुबंधन
7. उत्तर और दक्षिण भारतीय भाषाओं की मूलभूत एकता
8. भारत में त्रिभाषा सूत्र की सफलता के आयाम
9. भारतीय प्राचीन साहित्य का भाषा सौंदर्य
10. भारतीय साहित्य के प्रमुख निर्माताओं का भारतीय भाषाओं के विकास में योगदान
11. तुलनात्मक साहित्य के माध्यम से भारतीय भाषाओं के पारस्परिक सहयोग का अन्वेषण
12. भारतीय भाषओं के व्याकरण का तुलनात्मक अध्ययन
13. भारतीय लिपियों का तुलनात्मक अध्ययन

शोध-पत्र आमंत्रण (Call for Papers)

प्रतिभागी

भाषा-विज्ञानी, भाषाशास्त्री तथा भाषिक शोधकर्ता, भारतीय भाषाओं के विभागों से सम्बद्ध प्राध्यापक एवं शोधार्थी, नृविज्ञान, संज्ञान-विज्ञान एवं अनुवाद अध्ययन के विशेषज्ञ, शिक्षाविद् एवं पाठ्यक्रम निर्मातागण, भाषा-प्रवर्द्धन संस्थानों एवं सांस्कृतिक अकादमियों के प्रतिनिधि, भाषावैज्ञानिक अध्ययनों तथा भारतीय ज्ञान-परंपरा में रुचि रखने वाले विद्यार्थी एवं शोधकर्ता

सार (Abstract): 250 – 300 शब्द

पूर्ण शोध-पत्र: 2500 – 3000 शब्द

प्रतिभागी अपने शोधपत्र का सारांश एवं पूर्ण शोधपत्र निम्नलिखित ईमेल आईडी पर भेजें: bharatiyabhashapariwar@gmail.com

भाषाएँ: अंग्रेज़ी / हिन्दी / गुजराती / संस्कृत

प्रेषण के दिशा-निर्देश (Submission Guidelines)

- **कागज़ का आकार:** A4
- **लाइन स्पेसिंग (Line Spacing):** 1.5
- **फ़ॉन्ट:** Times New Roman / एरियल यूनिकोड या मंगल / श्रुति
- **शीर्षक:** 14 pt, मुख्य पाठ: 12 pt
- **संदर्भ शैली:** MLA
- केवल मौलिक एवं अप्रकाशित शोध-पत्र स्वीकार्य।

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ (Important Dates)

- **सार (Abstract) एवं पंजीकरण की अंतिम तिथि - 15th January 2026**
- **पूर्ण शोध-पत्र की अंतिम तिथि - 27th January 2026**
- **स्थल पर पंजीकरण (Spot Registration) की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी**

पंजीकरण विवरण (Registration Details)

सम्मेलन में सहभागिता ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से होगी।
कृपया निम्नलिखित चरणों का पालन करें -

- दिए गए लिंक पर क्लिक कर पंजीकरण प्रारम्भ करें।
- पंजीकरण फ़ॉर्म भरें।
- सभी विवरण भरने के बाद फ़ॉर्म को अंतिम रूप से सबमिट करें।
- कोई पंजीकरण शुल्क देय नहीं है। TA/DA देय नहीं होगा।

पंजीकरण

- **पंजीकरण (Registration) के लिए लिंक :**

https://forms.gle/WXF363vHq6HRTGBb6

पंजीकरण हेतु इस QR कोड को स्कैन करें।

मुख्य बिंदु (Highlights)

- संयुक्त शोध-पत्र प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को अलग-अलग पंजीकरण फ़ॉर्म भरना होगा।
- जिन प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय द्वारा आवास व्यवस्था चाहिए, वे पंजीकरण फ़ॉर्म में स्पष्ट रूप से इसका उल्लेख करें।

सहायता के लिए संपर्क (Contact For Any Query)-

फ़ोन: डॉ. विनोदकुमार माजिराणा : 769851901 | **डॉ. मुकेश इढारिया :** 9924890342

ईमेल : ankit.parmar@baou.edu.in

व्हाट्सएप ग्रुप ज्वाइन करने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें,

https://chat.whatsapp.com/JedsnsHej7E9ufbDlGqhWc

मुख्य संरक्षक (Chief Patron)

प्रो. (डॉ.) अमी उपाध्याय

माननीय कुलपति

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी

स्थानीय संयोजक

डॉ. बंदितारानी बेहेरा

शोध सहायक

आयोजन समिति

प्रो. योगेन्द्र परेख
निदेशक, SHSS

डॉ. महेशप्रसाद त्रिवेदी
निदेशक अकादमिक

डॉ. अर्चना मिश्रा
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी

डॉ. विनोदकुमार माजिराणा
असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत

डॉ. अंकित परमार
असिस्टेंट प्रोफेसर, अंग्रेज़ी

डॉ. मुकेश कुमार इढारिया
असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत

डॉ. येशा भट्ट
असिस्टेंट प्रोफेसर, अंग्रेज़ी